an>

Title: Ruling regarding Notices of Adjournment Motion.

Hon. Members, I have received notices of Adjournment Motion from Sarvashri Jay Prakash Narayan Yadav, N.K Premachandran, K.C. Venugopal and Rajeev Satav on different issues.

The matters though important enough do not warrant interruption of business of the day. The matters can be raised through other opportunities.

I have, therefore disallowed all the notices of Adjournment Motion.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : मैडम, जीरो आवर में ले लिया जाए।

माननीय अध्यक्ष : अगर होता है तो लेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम स्पीकर, कल इस सदन में शायद भावनात्मक हो या किस तरह से वह ऑब्जर्वेशन आया, मुझे मालूम नहीं है। उसमें यह कहा गया है और पत्रिका में भी यह प्रकट हुआ है - उनका कोई नेशनल इंट्रेस्ट नहीं है, उनका वेस्टेड इंट्रेस्ट है। They do not have any national interest, they have only vested interest. ...(व्यवधान) ऐसा कांग्रेस पार्टी के बारे में यहां कहा गया है। मैं समझता हूं कि यह उचित नहीं है क्योंकि ऑनरेबल स्पीकर ने ऐसी ऑब्जर्वेशन किया है।...(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : मैडम, स्पीकर के ऑब्जर्वेशन के बारे में चर्चा होना ठीक नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : वैंकैय्या जी, मैं इसे देखूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : देखिए, मैं उनकी परमीशन लेकर बात कर रहा हूं, मुझे आपकी परमीशन की आवश्यकता नहीं है।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: ऐसी चर्चा ठीक नहीं है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, मैं आपकी अनुमति से बोल रहा हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको भी किसी को बीच में टोकने की आवश्यकता नहीं है। The matter relates to me. अगर आपको चिल्लाकर ही बोलना हो तो फिर मैं किसी को नहीं सुनुंगी। Please be quiet. किसी के भी बारे में कुछ तो गाम्भीर्य कायम रखो।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, चिल्लाकर नहीं बोल रहे हैं, हम विनती कर रहे हैं। आप उसे चिल्लाना बोल रही हैं तो वैसा नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : मैं उनके लिए बोल रही थी।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, मैं सिर्फ एक मिनट में बताता हूं, क्योंकि हमारा उद्देश्य नेशनल इंटरैस्ट के इश्युज को इस सदन के सामने लाना है। हर रोज कोई न कोई मुद्दा सरकार की तरफ से ही उठता है। चाहे वह श्री वी.के.सिंह का हो, चाहे डीडीसीए का हो...(व्यवधान) चाहे अरूणाचल का हो...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप इतनी सारी बात नहीं करोगे। I am sorry. मैं आपकी बात समझ गई।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसीलिए इस सदन में ऐसी गड़बड़ी हुई। उसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं। उसके लिए सरकार जिम्मेदार है।

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये। Now, please take your seat. I understand it.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसीलिए आपका ऑब्जर्वेशन किसी एक पोलिटिकल पार्टी के खिलाफ अगर ऐसा होता है तो हमें उससे हर्ट हुआ है, हम दुखी हो गये। यह अच्छा नहीं है कि एक पार्टी को इस ढंग से देखना और सारे देश के लोगों को यह कहना...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी डिमांड रखिये। मैं आपको अलाऊ कर रही हूं, इसका गलत फायदा मत उठाइये।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सारे देश के लोगों को यह कहना कि कांग्रेस पार्टी का वैस्टेड इन्टरैस्ट है, नेशनल इंटरैस्ट नहीं है, ऐसा कहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर ऐसा कहा है तो कल क्या होगा, आप हमारी रक्षक है, आप हमारी गार्डियन है, आप कुछ भी कह सकती हैं। इसीलिए मैं आपसे विनती करता हूं कि आप इन शब्दों को एक्सपंज कीजिए और आप यह कहिये कि यह ठीक नहीं है। आइंदा किसी पार्टी के बारे में कोई सदस्य अगर कुछ गलत कहता है, अगर मैं भी कुछ गलत बोलता हूं, आप मुझे टोक सकती हैं या कोई सदस्य उठकर अगर अनपार्लियामैन्ट्री, डेरोगेटरी रिमार्क्स करता है तो आप एक्सपंज कीजिए...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपकी बात समझ गये, अब आप बैठिये।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम यह अच्छा नहीं है। इसलिए आप वह एक्सपंज कर दीजिए। यह ठीक नहीं है, आप इसके बारे में अपना निर्णय दीजिए।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: He is not talking about the subject.

SHRI BAIJAYANT JAY PANDA (KENDRAPARA): Madam, it relates to my appeal to the hon. Members who were in the Well of the House yesterday to listen to the question that I was asking about coastal security because of terrorism threat and illegal immigration. I think it is important to put on record that neither I nor the Chair took any Party's name in the matter. We were only appealing to listen to the question in national interest....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : कोई बात नहीं है, मेरा यह कहना है कि अगर उन्हें भी किसी बात का दुख होने लगा है तो वह भी अच्छी बात है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरा इतना ही कहना है कि अब वह भी सोचें कि हर्ट सभी हो सकते हैं। आपने जो रिक्वैस्ट की है, मैंने किसी पार्टी के बारे में, पार्टी के नाम का उल्लेख भी नहीं किया है, लेकिन वैल में आकर जिस तरीके से गत कई दिनों से हाउस को डिस्टर्ब किया जा रहा है, घोषणाएं भी दी जा रही हैं, जो आपकी घोषणा है, आप पलटकर उस पर विचार करना। इसलिए अगर आपको ऐसा लगता है कि वैस्टेज इन्टरैस्ट शब्द निकालो तो I am ready. अगर वैस्टेज इन्टरैस्ट शब्द है तो उतना मैं जरूर एक्सपंज करूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने पार्टी के लिए नहीं बोला है, वैस्टेज इन्टरैस्ट I will definitely expunge. मैं समझ रही हूं, मैंने इन्हें इतना ही कहा है

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उस समय वास्तव में नेशनल इंटरैस्ट की बात हो रही थी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये, उस समय जो दोनों सब्जैक्ट क्वैश्चन में आए थे, जो इनवायरनमैन्ट का था, जिस पर आज की तारीख में वर्ल्ड लैवल पर बहुत महत्वपूर्ण बात हो रही है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये। अब आप बैठिये। आप बार-बार मुझे नहीं टोकोगे, अब आप इतनी हिम्मत भी मत करियेगा।

दूसरी बात सिक्युरिटी की आई थी। दोनों एक प्रकार से widely national interest subject थे और उन्हें लेकर मैंने कहा है कि नेशनल इंटरैस्ट नहीं है तो वह नहीं, लेकिन वैस्टेज इन्टरैस्ट वाली बात मैं एक्सपंज करूंगी।

I will expunge it. आई एम सॉरी, अगर आपको दुख हुआ है तो भी सॉरी। मैं एक्सपंज करूंगी।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: मैडम, मैंने इसलिए आपसे विनती की कि यह अलाऊ नहीं है। Nobody can discuss the conduct of the Speaker in the House. Is obstructing the House in the national interest?...(व्यवधान) गतिरोध बनाये रखना क्या देश के हित में है?...(व्यवधान) आप इतने अनुभवी हैं।

माननीय अध्यक्ष : माननीय वैंकैय्या जी, उनको कुछ बात हर्ट हुई। I am sorry for that. But I will expunge whatever I had said.

...(*Interruptions*)